

हमें गर्व है कि...

छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी देश में सबसे ज्यादा

हरिभूमि

• सुरेन्द्र शुक्ला के साथ विकास शर्मा

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

शिक्षित केरल, राजधानी दिल्ली और पड़ोसी मध्यप्रदेश से भी बहुत आगे

आनंद का सच्चा भाव*

18 केरट रेट = ₹121097/- (75.00%)

22 केरट रेट = ₹147900/- (91.60%)

24 केरट रेट = ₹161447/- (99.99%)

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels Pandri, Raipur

गर्व है कि हम छत्तीसगढ़िया हैं। हमारी विधानसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी देश में सबसे ज्यादा है। 95 फीसदी साक्षरता का दम भरने वाला केरल महज 8 फीसदी महिला विधायकों पर सिमट गया। देश की राजधानी दिल्ली, जहां की सियासत पूरे देश के लिए मिसाल बनती है वह महिलाओं की भागीदारी के मामले में हमसे बहुत पीछे है। *शेष पेज 6 पर

महिला विधायक

राज्य	प्रतिशत
छत्तीसगढ़-	18%
मध्यप्रदेश-	11.7%
उत्तरप्रदेश-	11.66%
गुजरात-	9%
केरल-	7.86%
दिल्ली-	7.14%
अरुणाचल प्रदेश-	6.66%
महाराष्ट्र-	4.5%
हिमाचल-मिजोरम -	1.47%
	शून्य

लक्ष्मी राजवाड़े
मटागांवरेणुका सिंह
भरतपुर-सोनहटभावना बोहरा
पंडरियाअनिता बैडिया
डौंडीलौहराशकुंतला पोर्ते
प्रतापपुरकविता प्राण लहरे
बिलाईगढ़हर्षिता स्वामी बघेल
डोंगरगढ़गोपती साय
पट्यलगांवचातुरी नंद
सराईपालीलता उसेडी
कोडागांवसंगीता सिन्हा
संजारी बालोदसावित्री मंडावी
मानुप्रतापपुरउधेश्वरी पेकरा
सामरीउज्ज्वला गनपत जांगड़े
सारगढ़विधावती सिदार
लैलुंगाशोषराज हरवंश
पामगढ़यशोदा नीलांबर वर्मा
खैरागढ़रायमुनि भगत
जशापुरअंशिका मरकाम
सिहावाउज्ज्वला गनपत जांगड़े
सारगढ़उज्ज्वला गनपत जांगड़े
सारगढ़विधावती सिदार
लैलुंगाशोषराज हरवंश
पामगढ़यशोदा नीलांबर वर्मा
खैरागढ़

॥ नारी तू नारायणी ॥

क्योंकि महिलाएं घर नहीं समाज चलाती हैं

अगर महिलाएं... सिर्फ एक दिन छुट्टी पर चली जाएं....

सुबह 5 बजे महिलाएं सबसे पहले उठती हैं। जब पुरुष सो रहे होते हैं तब महिलाएं उठती हैं और घरों में हलचल शुरू हो जाती है। कहीं चूल्हा जलता है, कहीं गैस पर चाय चढ़ाई जाती है। चाय के साथ घरों की सुबह जागती है।



पर ऐसा नहीं हुआ तो?

सोचिए सभी के हाथों में चाय नहीं होगी। सुबह ठंडी होगी और आलस से भरी हुई।

सुबह 7 बजे आम दिनों में यह घरों की सबसे भागदौड़ वाली घड़ी होती है। बच्चों के टिफिन बनते हैं। स्कूल ड्रेस प्रेस होती है। दूध के गिलास और जल्दी-जल्दी खाए जा रहे नाश्ते के बीच दिन की शुरुआत होती है। महिलाएं दौड़ती हैं, भागती हैं। बच्चों के बस्ते जमाती हैं। टिफिन तैयार करती हैं और उन्हें स्कूल के लिए तैयार करती हैं।

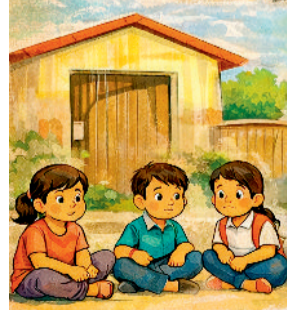


ऐसा नहीं हुआ तो...?

टिफिन नहीं बनेगा। कई घरों में बच्चे स्कूल ही नहीं जा पाएंगे। अगर बच्चे स्कूल जाएंगे तो भी उनके टिफिन खाली रह जाएंगे। मतलब सुबह की शुरुआत ही बिगड़ जाएगी।

सुबह 10 बजे पुरुष आपाधापी में नाश्ता करके दफ्तर खाना होते हैं। कामकाजी महिलाएं बच्चों को स्कूल भेजती हैं। पुरुषों को नाश्ता देकर खुद दफ्तर भागती हैं। जो दफ्तर नहीं जातीं वे घर को संभालने में जुट जाती हैं। छोटे बच्चे आंगनबाड़ी पहुंचते हैं। मिड-डे मील बनता है। पोषण आहार बांटा जाता है।

स्कूलों में आधे से ज्यादा संख्या महिला शिक्षकों की होती है। वे शिक्षित करने में जुट जाती हैं।



अगर महिलाएं छुट्टी पर चली जाएं तो...?

आंगनबाड़ी का का दरवाजा बंद हो जाएगा। रसोई सूनी रह जाएगी। पुरुषों को नाश्ता नहीं मिलेगा। दोपहर एक बजे खेतों की तरफ देखिए... रोपाई, निराई, कटाई करती हुई महिलाएं दिखती हैं।

घरों के बिस्तर ठीक होते हैं। कपड़े धुलने में डाले जाते हैं। छोटे-छोटे उद्योगों को संभालने वाली महिलाएं अचार, पापड़, अमरबत्ती और सिलाई करने में जुट जाती हैं।

अगर ऐसा न हो तो...?

किसान खड़े हैं, पर काम करने वाले हाथ कम पड़ गए हैं। कई जगह काम रुक गया है। महिलाओं के छोटे-छोटे उद्योग, पापड़, मसाले, अमरबत्ती, सिलाई, सब ठहर गए हैं। घरों में खाना नहीं बना है। बुजुर्ग टकटकी लगाकर देख रहे हैं। पुरुषों को लंच बाक्स नहीं मिल पाया। घर सूना है बिखरा हुआ है। बिस्तरों पर चादरें वैसी ही पड़ी हैं जैसा उन्हें सुबह छोड़ दिया गया था। अस्त-व्यस्त घर और मनहूसियत से भरा आंगन।

शाम पांच बजे दिनभर की थकान के बाद परिवार एक साथ बैठकर खाना खाता है।

बच्चे घर चहकते हुए लौटते हैं। महिलाएं उन्हें दुलार करती हैं। आते ही उन्हें खाने को देती हैं। उनके कपड़े बदलती हैं और पहने हुए कपड़ों को धोने में डालती हैं। डिनर की तैयारी में जुट जाती हैं। दफ्तर से लौटी महिलाएं भी काम के बाद घर संभालने में जुट जाती हैं। जो दफ्तर नहीं जातीं वे सुबह से लेकर शाम तक पलभर नहीं बैठती और खुद को खपाती हैं।

अगर ऐसा नहीं हो तो...?



रात आठ बजे किसी ने आटा नहीं गूंधा। किसी ने दाल नहीं चढ़ाई। किसी ने सब्जी नहीं काटी। उधर घर के कोने में बैठे बीमार बुजुर्ग को दवा देने वाला भी कोई नहीं है। छोटे बच्चे रो रहे हैं। घर में सब है, लेकिन व्यवस्था बिखर गई है।

और तब समझ आएगा कि... महिलाएं केवल खाना नहीं बनातीं। वे केवल बच्चों की देखभाल नहीं करतीं। वे केवल घर के काम नहीं करतीं।

वे केवल घर नहीं चलातीं महिलाएं समाज चलाती हैं

आज का अंक नारी शक्ति के नाम- उनके साहस को सलाम, और उन दरवाजों पर दस्तक, जो अब भी उनके लिए बंद हैं।

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

ज़मीन पर पैर,
हौसला छूए आसमानएलआईसी
की ओर से हर
महिला कोअंतरराष्ट्रीय
महिला

दिवस

8 मार्च
की शुभकामनाएँहमारा वॉट्सएप नं.
8976862090कहिए
'Hi'आजकल करें
एलआईसी मोबाइल ऐपडिजिट करें
licindia.inकॉल सेन्टर सर्विस
(022) 6827 6827

हमें यहाँ फॉलो करें:

f y x i n

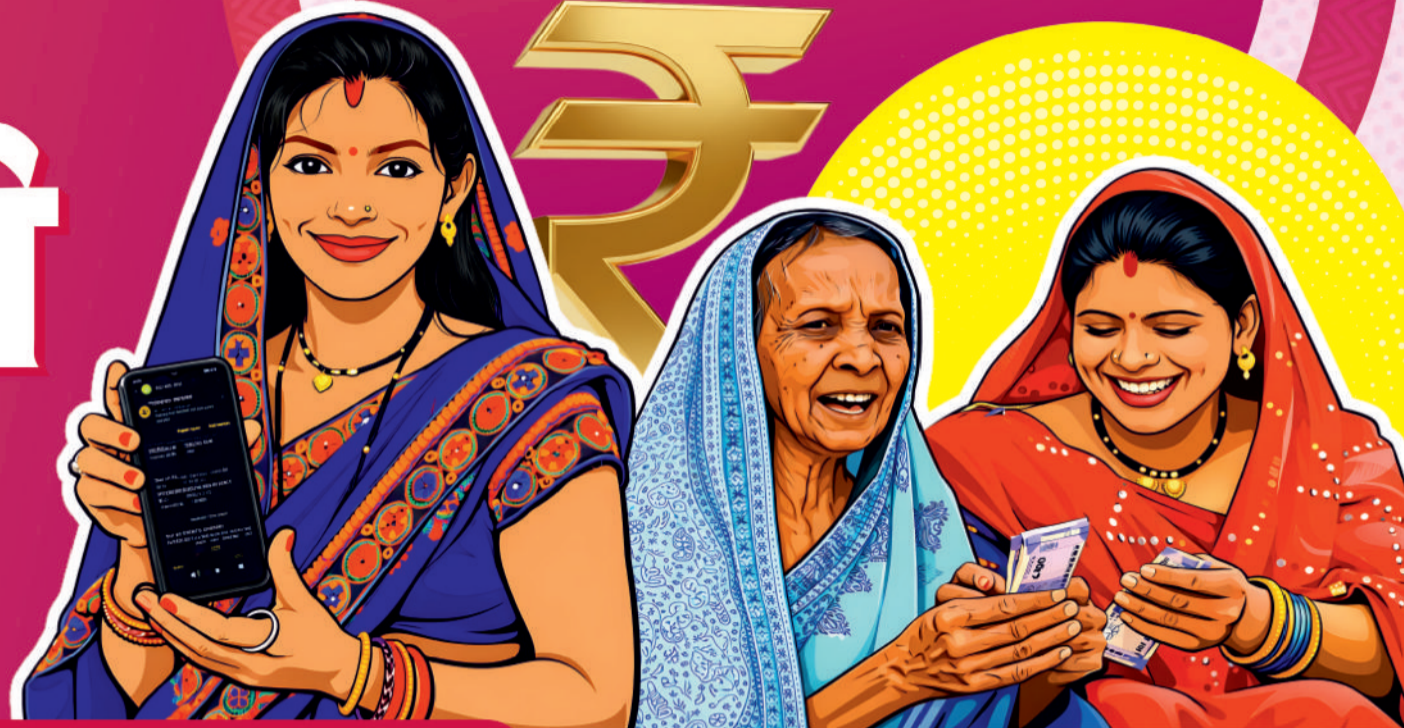
LIC India Forever

IRDAI Regn No.: 512

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026

के अवसर पर

वृहद महतारी वंदन



महतारी गौरव वर्ष



सम्मेलन-2026



08 मार्च 2026



दोपहर 12:00 बजे



लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम, जनपद पंचायत बस्तर



सखी वन स्टॉप
सेंटर

SOP लागू करने वाला
पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं
को तत्काल सहायता, परामर्श और
कानूनी मदद



महतारी वंदन
योजना

69 लाख से अधिक महिलाओं
को **₹15,595 करोड़** की सहायता
2026-27 बजट में **₹8,200 करोड़**
का प्रावधान



मुख्यमंत्री कन्या
विवाह योजना

दो वर्षों में **21,754 बालिकाओं** का
विवाह संपन्न
प्रत्येक जोड़े को **₹50,000** की सहायता राशि



यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों
को नवा रायपुर में उत्पादों के
विक्रय हेतु **व्यापक बाज़ार**



लखपति दीदी
भ्रमण योजना

₹05 करोड़ का बजटीय प्रावधान
लखपति दीदियों को कराया जाएगा
एक्सपोजर विजिट



रजिस्ट्री
शुल्क

महिलाओं को **रजिस्ट्री
शुल्क** में **50%** की छूट का
बजटीय प्रावधान



लखपति दीदी
योजना

8 लाख से अधिक महिलाएं बनीं
लखपति दीदी
10 लाख अतिरिक्त महिलाओं को
लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य



महतारी
सदन

368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु
₹108.78 करोड़ स्वीकृत
137 महतारी सदनों का निर्माण पूर्ण



बिहान योजना

42,878 महिला स्व-सहायता
समूहों को आसान ऋण से
अब तक **₹129.46 करोड़**
का लाभ



रेडी टू ईट

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में
महिला स्व-सहायता समूहों को
पुनः **रेडी टू ईट** के कार्य की
जिम्मेदारी



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हरिभूमि

बस्तर से राजेश दास

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मजबूत महतारी, मुट्ठी में दुनिया सारी, लेकिन... बंदिशों में 'आधी आबादी' महतारी का एक रूप जहां वीरता का प्रतीक है वहीं दूसरी ओर कमजोर दिख रही है

छत्तीसगढ़ की महतारी... हाथ में बंदूक लेकर नक्सलियों की कमर तोड़ रही है। बीहड़ों में उतरकर उन्हें खदेड़ रही है, उनका एकाउंटर कर रही है। वह वीरता की मिसाल है। वह योद्धा है, साहसी है। छत्तीसगढ़ की महतारी दंगल में दांव-पेंच सीख रही है... सिखा भी रही है। अखाड़ों में दहाड़ती है। वह जानती है कि सशक्त होना है, सख्त होना है। उसकी देह अब केवल कोमलता का प्रतीक नहीं, शक्ति का भी परिचय है। छत्तीसगढ़ की महतारी पोस्टमार्टम टेबल पर खड़ी है। सड़े-गले शवों की जांच करती है। उसके हाथ कांपते नहीं। वह संकोच नहीं करती, चीर-फाड़ करती है और सच सामने लाती है। यह भी साहस का ही एक रूप है। लेकिन... दूसरा पहलू आज भी कुछ बेड़ियों में जकड़ा हुआ दिखता है। एक ओर बस्तर के जंगलों में हमारी महतारी नक्सलियों से दो-दो हाथ कर रही है, तो दूसरी ओर पुलिस की गाड़ी का स्टेयरिंग थामने में उसके हाथ आज भी कांपते दिखते हैं। हैरत होती है कि छत्तीसगढ़ पुलिस की गाड़ियों की कमान महिलाओं के हाथों में लगभग नजर नहीं आती। फायर ब्रिगेड की आग हो या एंबुलेंस की रफ्तार, इन मोर्चों पर भी उनकी मौजूदगी बहुत कम है। वह जेसीबी चला सकती है, लेकिन बिजली के खंभों पर चढ़ती कम दिखाई देती है। हैरत होती है कि छत्तीसगढ़ में एक भी लाइन वूमन नहीं है। महिला दिवस पर छत्तीसगढ़ की सभी महिलाओं को शुभकामनाएं... इस उम्मीद के साथ कि जो दरवाजे अभी बंद हैं, उन पर दस्तक और तेज होगी। वे दरवाजे खुलेंगे और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की महतारी हमें हर मोर्चे पर नजर आएगी।

बस्तर में कर ही नक्सलियों का संहार

बस्तर के बीहड़ों में 21 सौ से अधिक महिला कमाण्डोज नक्सल उन्मूलन में लगी है। जंगलों की खाक छानते, दुश्चारियों का सामना करते महिला कमाण्डोज साहस की नई कथा लिख रही हैं। फोर्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ऑपरेशन में शामिल होकर नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराने के साथ ही बस्तर को नक्सलमुक्त करने के अभियान में लगी हुई हैं। वहीं, दूसरी ओर ग्रामीणों महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और विश्वास के साथ कार्य कर रही हैं, जिससे पीड़ितों को अपनी बात खुलकर रखने का अवसर मिलता है। ऑपरेशनों में महिला जवानों ने साहस और धैर्य का परिचय देते हुए सचिंग, गरत और घेराबंदी जैसी जिम्मेदारियां निभाई हैं। बस्तर जैसे कठिन इलाकों में काम करना आसान नहीं होता, लेकिन इन महिलाओं ने यह साबित किया है कि चुनौतियां उन्हें रोक नहीं सकतीं।



दंगल में दहाड़ रहीं...

कुश्ती को आम तौर पर केवल पुरुषों का खेल माना जाता रहा है, लेकिन हमारी बेटियां दंगल में दहाड़ रहीं हैं। हर साल दर्जनों महिला खिलाड़ी छत्तीसगढ़ से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर भारत और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरिभूमि टीम अखाड़े में पहुंची। यहाँ लड़कियां अखाड़े की मिट्टी में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कुश्ती के दांव-पेंच आजमाती नजर आईं। उनके दांव इतने सटीक थे कि पलक झपकते ही वे सामने वाले खिलाड़ी को चित कर देती हैं। रेसलिंग की नेशनल खिलाड़ी अक्षरा साहू ने बताया कि दंतेश्वरी अखाड़ा हमारे जन्म से भी पहले का है।

पोस्टमार्टम करती हैं महिलाएं...

शवों का पोस्टमार्टम करने यानी फॉरेंसिक मेडिसिन की पढ़ाई में पुरुषों का दबदबा था। तब रायपुर मेडिकल कालेज में डा. रिंगाधा जैन ने इस विषय का चुनाव कर मिथक को तोड़ा था। लगातार सेवा देते हुए वे विभागाध्यक्ष बनीं और उनके मार्गदर्शन में महिला चिकित्सकों ने भी इस विषय पर अपनी दिलचस्पी दिखाई। अब काउंसिलिंग के दौरान छात्रों के साथ छात्राएं भी च्याइस फीलिंग के दौरान फॉरेंसिक मेडिसिन का चुनाव करती हैं। मेडिकल कालेज रायपुर में एमडी फॉरेंसिक मेडिसिन में चार महिला चिकित्सक अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं। पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल के रूप में यह पीजी छात्राएं अपने पुरुष सहपाठियों के साथ शवों के पोस्टमार्टम में भी हाथ बंटा रही हैं। विभागाध्यक्ष डा. जैन ने बताया कि विषय विशेषज्ञ बनने के बाद यह डाक्टर प्रदेश के अन्य अस्पतालों में सेवाएं देंगी।



जेसीबी चला रही हैं आज की नारी



छत्तीसगढ़ में कई महिलाएं अब पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर भारी मशीनें चलाने जैसे काम भी कर रही हैं। कुछ जिलों में महिलाओं ने जेसीबी और अन्य निर्माण मशीनों को चलाकर यह साबित किया है कि तकनीकी कामों में भी वे किसी से पीछे नहीं हैं। रायपुर की रहने वाली काजल खारी महिलाओं में शामिल हैं जो पारंपरिक धारणाओं को तोड़ते हुए भारी वाहनों की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। ट्रक और जेसीबी जैसी भारी मशीनें चलाना, जिसे लंबे समय तक पुरुषों का पेशा माना जाता रहा, काजल ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से अपना कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ में ऐसी महिलाएं हैं जो ट्रक, बस, रिक्शा और गाड़ियां चला रही हैं।

महिलाएं इतनी सक्षम... 15 साल से क्राइम कंट्रोल

खबर सीपत थाना क्षेत्र की है। महिला शक्ति की बढौलत यह गांव जुहली नशा मुक्त, अपराध मुक्त और आदर्श ग्राम बन चुका है। लगभग 300 महिला कमाण्डोजों की टोली गांव को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने में जुटी है, और नतीजा यह है कि बीते 15 वर्षों से गांव से एक भी अपराध थाने तक नहीं पहुंचा। सीपत थाना क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य गांव जुहली में 90 प्रतिशत आबादी आदिवासी समुदाय की है। यहां की लगभग 300 महिलाएं महिला कमाण्डोजों के रूप में संगठित होकर 2020 से गांव में नशा, अपराध और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चला रही हैं। हर रविवार गांव में बैठक होती है, जिसमें महिलाएं बच्चों के भविष्य, महिलाओं की सुरक्षा और गांव के विकास पर चर्चा करती हैं।



पुलिस की गाड़ी चलाने में कांप रहे हाथ महिला ड्राइवर नहीं

छत्तीसगढ़ पुलिस में आज हजारों महिला कर्मचारी और अधिकारी विभिन्न जिम्मेदारियां निभा रही हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने से लेकर जांच और महिला संबंधी मामलों में वे अहम भूमिका निभाती हैं। कई थानों में महिला डेस्क के जरिए पीड़ित महिलाओं को सहारा देने का काम भी किया जा रहा है। इसके बावजूद पुलिस विभाग के अंदर वाहन चालक के रूप में महिलाओं की संख्या नहीं... या नहीं के बराबर है। गरत और आपात स्थितियों में पुलिस वाहन चलाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है, लेकिन इस भूमिका में महिलाओं की भागीदारी बहुत सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशिक्षण की कमी, अवसरों की कमी और लंबे समय से चली आ रही धारणाएं इसके पीछे बड़ी वजह हैं। जब महिलाएं पुलिसिंग के कठिन काम कर रही हैं, तो वाहन संचालन जैसे कामों में उनकी संख्या क्यों नहीं बढ़ पा रही, यह सवाल अभी भी बना हुआ है।

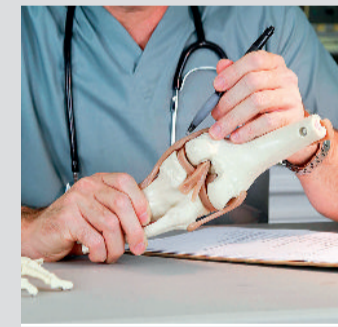


फायर ब्रिगेड में महिलाएं नहीं... या नहीं के बराबर

प्राकृतिक आपदा के दौरान राहत कार्य की जिम्मेदारी उठाने वाले आपदा नियंत्रण विभाग में महिलाओं का दखल बरसों से नहीं रहा है। हालात यह हैं कि प्रदेश के अब तक के इतिहास में इस बारे में सोचा भी नहीं गया था। नहीं सोचा गया कि जो महिला फाइटर प्लेन चला सकती है उसके लिए आग बुझाना कौनसी बड़ी बात है। यह स्थिति कई सवाल खड़े करती है। जब महिलाएं खेल मैदान में ताकत और साहस का प्रदर्शन कर रही हैं, तो फिर फायर ब्रिगेड जैसी सेवाओं में उन्हें अवसर क्यों नहीं मिल पा रहे हैं? विशेषज्ञ मानते हैं कि भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण दांचे और सामाजिक सोच में बदलाव से ही इस स्थिति को बदला जा सकता है। इसकी शुरुआत शायद इस खबर के बाद छत्तीसगढ़ में शुरू भी हो जाए।



छग में 300 आर्थोपेडिक सर्जन, महिला विशेषज्ञ केवल एक



समाज के विकास में भले ही महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हों, मगर कुछ क्षेत्र अभी भी अनछूए हैं। स्वास्थ्य सेवा के मामले में भले ही महिला चिकित्सकों ने महारत हासिल कर ली हो, मगर हड्डियों से संबंधित समस्याओं के उपचार प्रक्रिया से उनकी दूरी कायम है। महिलाएं न्यूरो सर्जरी, कार्डियक सर्जरी, बर्न प्लास्टिक, नेफ्रोलॉजी जैसे सुपर स्पेशलिटी सेवाएं मरीजों को प्रदान कर रही हैं, मगर अस्थि रोग के इलाज में उनकी अनुपस्थिति की परंपरा आज भी बनी हुई है। छत्तीसगढ़ में वैसे तो आर्थोपेडिक सर्जन यानी हड्डी रोग विशेषज्ञों की संख्या तीन सौ है, मगर इनमें महिला विशेषज्ञ मात्र एक है। छत्तीसगढ़ आर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. प्रशांत द्विवेदी के मुताबिक हड्डियों से संबंधित इलाज में महिलाएं शुरू से असहज रही हैं। टूटी-फूटी हड्डियां मरीजों की गंभीर स्थिति और ट्रीटमेंट से संबंधित हार्डवर्क की वजह से इससे दूरी बनाए हुए हैं। राज्य में शासकीय के साथ प्राइवेट सेक्टर में भी अस्थिरोग महिला विशेषज्ञ की संख्या ना के बराबर है।

एंबुलेंस चलाने से परहेज करती हैं

बदलते समय में हवाई जहाज से लेकर आटो तक चलाने वाली महिलाओं के हाथ अभी भी स्वास्थ्य विभाग की गाड़ी यानी एंबुलेंस से दूर हैं। विभाग में महिला वाहन चालक पर किसी तरह की पाबंदी तो नहीं है, मगर भर्ती प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा इस पद के लिए आवेदन ही नहीं किया जाता। स्वास्थ्य संचालनालय से लेकर तमाम निजी और शासकीय अस्पतालों के साथ गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने वाले 108 संजीवनी और 102 महतारी एक्सप्रेस सेवा के एंबुलेंस की स्टीयरिंग अभी महिलाओं के हाथों से दूर है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी के मुताबिक विभाग में महिला वाहन चालकों की कमी भर्ती ही नहीं हुई। एंबुलेंस इमरजेंसी सेवा में आती है इसमें पदस्थ चिकित्सकीय स्टाफ में महिला पैरामेडिकल स्टाफ की मौजूदगी अनिवार्य होती है। महिलाओं द्वारा इस संवेदनशील सेवा वाले वाहन से दूरी बनाए रखने की वजह कहीं ना कहीं उनकी झिझक हो सकती है।



वही... इतना खौफ कि बिजली वूमन एक भी नहीं



महिलाएं आज लगभग हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। प्रशासन, सेना, पुलिस से लेकर तकनीकी क्षेत्रों तक महिलाएं काम कर रही हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ के बिजली विभाग में आज तक एक भी 'लाइन वूमन' नहीं है। राज्य बिजली वितरण कंपनी में महिलाएं कई पदों पर कार्यरत हैं, पर लाइनमैन का पद अब तक पुरुषों के लिए ही सीमित रहा है। यह परंपरा मध्यप्रदेश के जमाने से चली आ रही है। अब अधिकारी कहते हैं कि यह परंपरा बदली जाएगी। अगली बार जब भी लाइनमैन के लिए रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी महिलाओं को मौका दिया जाएगा। उन्हें प्रशिक्षण भी देंगे और प्रोत्साहित भी करेंगे।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

साय सरकार के दो साल, विकास और जन सरोकार पर मंथन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ राजिम

गरियाबंद जिला संवाद : आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने जनप्रतिनिधियों से की चर्चा

आईएनएच-हरिभूमि के "जिला संवाद - 2026" कार्यक्रम में नवापारा-राजिम को जिला बनाने की मांग उठी। छत्तीसगढ़ में साय सरकार के दो वर्ष होने पर जिले के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और जमीनी समस्याओं पर चर्चा के लिए राजिम स्थित प्रेम रतन मैरिज पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने खुलकर विचार रखे। एक तरफ जहां सत्तापक्ष के लोगों ने क्षेत्र में किए गए काम गिनाए तो विपक्ष के प्रतिनिधियों ने कमियां गिनाने की कोशिश की। कार्यक्रम का संचालन आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने किया।

पहले सत्र में व्यवसायी गिरधारी अग्रवाल ने राजिम और नवापारा को मिलाकर नया जिला बनाने की मांग उठाई। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता लाला साहू और जितेंद्र (राजू) सोनकर ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजिम क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए हैं, जिसकी सराहना की जानी चाहिए। इस दौरान आर.बी. शर्मा ने कहा कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता है और इस दिशा में विशेष प्रयास किए ▶▶ शेष पेज 6 पर



महानदी में बैराज की योजना
तीसरे सत्र में राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, बिन्दानवागढ़ विधायक जनक धुव और पूर्व विधायक अमितेश शुक्ल मौजूद रहे। डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने विधायक रोहित साहू से पूछा कि राजिम जिला कब बनेगा और महानदी की सफाई कब होगी? इस पर विधायक रोहित साहू ने ▶▶ शेष पेज 6 पर

कल्प-कुंभ से मिली पहचान
चौथे सत्र में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंडार गृह निगम अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंद्रलाल साहू और पूर्व मंत्री धनंजय साहू शामिल हुए। डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से पूछा कि वे मंत्री रहते समय अधिक खुश थे या अब सांसद बनने के बाद? ▶▶ शेष पेज 6 पर

मंत्री बघेल बोले- विकास कार्यों के प्रतिबद्ध

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में जिले के प्रमारी मंत्री दयालदास बघेल शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि साय सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में चित्रसेन पटेल (शिक्षक) और सरस्वती शाहनी को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

विकास की बात

पांचवें सत्र में भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्रकर (नवापारा), जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद्र बेसरा, नगर पालिका नवापारा अध्यक्ष ओमकुमारी साहू, गरियाबंद नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, नगर पालिका राजिम अध्यक्ष महेश यादव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नवापारा धनराज मधानी और जिला पंचायत सदस्य इन्द्रजीत महादिक ने अपने विचार रखे और जिले के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY | airtel
चैनल नं. 1155 | चैनल नं. 366

अजन्ता
AJANTA
ESTD. 1949
Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours
www.ajantafoodproducts.com

महिला दिवस विशेष मां के संघर्ष और पत्नी के सहयोग से यहां तक पहुंचा : सीएम साय

विनय त्रिवेदी अवस्थी
▶▶ रायपुर

रायपुर की चार महिला पत्रकारों ने लिया मुख्यमंत्री का इंटरव्यू



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं की भूमिका, परिवार, राजनीति और छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़े कई मुद्दों पर खुलकर बात की। रायपुर की चार महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से उनके जीवन, मातृशक्ति के योगदान, महिला सशक्तिकरण और बस्तर के विकास से जुड़े सवाल पूछे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सफलता के पीछे उनकी माता और पत्नी का बड़ा योगदान रहा है और राज्य में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

सवाल : हर सफल व्यक्ति के पीछे एक महिला का हाथ होता है। आपको सफलता के पीछे मातृशक्ति का कितना योगदान है?

सीएम : मेरी सफलता के पीछे मेरी माता जी का बहुत बड़ा योगदान है। जब मैं 10 साल का था, तभी मेरे पिता का निधन हो गया था। हम चार भाइयों में सबसे बड़े थे। पिता के जाने के बाद माता जी ने ही मां और पिता दोनों की जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने हमें संघर्ष करना और संस्कारों के

साथ जीवन जीना सिखाया। उन्हीं की मेहनत और तपस्या की वजह से आज मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया हूँ।

सवाल : आदिवासी संस्कृति मातृसत्तात्मक मानी जाती है। माता जी के बाद आपको पत्नी की क्या मुमिका रही?

सीएम : मैं 26 साल की उम्र में विधायक बना और उसके एक साल बाद मेरी शादी हुई। राजनीति में रहने के कारण परिवार को ▶▶ शेष पेज 6 पर

अमेरिका के 'थाड' पर वार, ट्रंप बोले-ईरान पर होगा भीषण हमला

एगोसी ▶▶ तेहरान/दुबई

अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई जंग में अब तक दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन शुरुआती दिनों में ईरान के हमलों ने खास तौर पर अमेरिकी रक्षा ढांचे को बड़ा झटका दिया। युद्ध के पहले चार दिनों में ही ईरान ने अमेरिका के करीब 2 अरब डॉलर के रडार और रक्षा सिस्टम क्षतिग्रस्त या नष्ट कर दिए। इनमें अत्याधुनिक थाड डिफेंस सिस्टम, सबसे महंगा रडार सिस्टम और मिलिट्री कम्युनिकेशन सिस्टम शामिल हैं।

इजरायल के हमलों के दौरान ईरान के कई शहरों में जोरदार धमाके सुने गए। इस युद्ध में अब तक ईरान में 1332 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि खाड़ी देशों में भी करीब 10 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और मिडिल ईस्ट में हवाई यात्रा पर भी पड़ा है।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध आठवें दिन और भयानक हो गया है। इजरायल ने शनिवार को ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इधर, ईरान ने भी अमेरिका में डिफेंस सिस्टम पर वार किया। ईरान ने बीते एक हफ्ते में सऊदी अरब, यूएई और जॉर्डन में तैनात अमेरिका के टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थाड) सिस्टम को निशाना बनाया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भीषण हमले की चेतावनी दी है।



ट्रंप ने फिर दी चेतावनी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेइकियान द्वारा पड़ोसी देशों से माफ़ी मांगने का जिक्र किया।

दुबई में ईरान का हमला

ईरान ने खाड़ी देशों पर भी मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे। शनिवार सुबह दुबई में कई धमाके सुने गए। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास ड्रोन हमले के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए उड़ानों को रोकना पड़ा।

जॉर्डन में थाड का रडार सिस्टम तबाह

ईरान के हमलों में के 'मुवफाक साल्टी एयर बेस' पर लगे थाड का रडार सिस्टम तबाह हो गया है। एक थाड सिस्टम की कीमत 22 हजार करोड़ रुपए तक होती है, जबकि थाड के रडार सिस्टम की कीमत 2700 करोड़ रुपए (300 मिलियन डॉलर) तक होती है। यह रडार थाड सिस्टम का अहम हिस्सा होता है। दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को पहचानने और ट्रैक करने का काम करता है। अमेरिका के पास सिर्फ 7-8 थाड सिस्टम ही मौजूद हैं।

KP GROUP
Quality Since 1965

दशान का जश्न

राजश्री
सिल्वर कोटेड इलायची

For calorie conscious people the product shown here contains artificial sweeteners like Sodium Saccharin (INS 954) Sucralose (INS 955) and Neotame (INS 961). Not recommended for kids.



विशेष
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

रविवार 8 मार्च 2026

2



बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।



हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लट गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

आधी सुबह के 4 बजे रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसमें एक्सक्लूसिविटी पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।



गढ़ रही जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में

भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बेडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गई कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलों इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बंदोबस्त भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रही सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रही वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण गाँव चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनती है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारतीय महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। वे छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों को नई कहानी रच रही हैं। *

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनाती महिलाएं

बदलाव / अपराजिता

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन में कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब

दिल्ली, बंगलुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।



मनमुताबिक ले रही निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं को इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- ▶ भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- ▶ उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- ▶ सिलिल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- ▶ स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिन्हें एक स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- ▶ कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- ▶ डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्भरता बंद कर रही हैं।



बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग उन्हें अपने साथ से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

कविता

कुसुम अग्रवाल

एक सपना

मैंने देखा था एक सपना
सबने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेंगी रफ्तार?'
एक जगह खो खड़ी रहे तो
रो जाए बिल्कुल बेकार।
रंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई दूँ गन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने लगे
तब दौड़गी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूसरा श्रमविरास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरत बंध जाएगी।
जौवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूँ?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूँ, समझ नहीं आ रहा मुझे।' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी स्टैन के हिस्सा से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं।' तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूँ, तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

रीमा को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रहा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसे की किशत जमा कर देना जरा।' इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसे की रूप आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता

लघुकथाएं

सपनों की उड़ान

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।
'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।
'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।
रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगाते देख उसकी आंखें छलछल्ला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

शांति

ति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।
'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटों को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कल्लेज के टुकड़े को दूध पिलाकर लोड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।
'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।
बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...!'

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक रचा / विज्ञान मूषण

स्त्री केंद्रित कहानियां

सा माज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई गर्मसर्माई कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की कुसुम पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दंपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अविमता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं, संपादन: पल्लव, मूल्य: 250 रुपए, प्रकाशक: राजपाल एंड सन्स, दिल्ली

घरेलू महिला

अब वह अपने शैल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

दुष्कर्म पीड़िता को परिवार सहित किया 12 साल के लिए समाज से बहिष्कृत

वाडफनगर। एक तरफ पूरा देश आज महिलाओं के सम्मान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है तो वहीं दूसरी ओर आज भी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में समाज का ऐसा तबका मौजूद है जो कड़े कानून के बाद भी महिलाओं को प्रताड़ित करने का काम कर रहा है।

यह है मामला

बताया जा रहा है कि बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाली युवती को उसके ही गांव के एक युवक ने शादी का झंझा देकर दुष्कर्म किया। इस दौरान युवती सात माह की गर्भवती भी हो गई। जब युवती ने युवक से शादी की बात की तो वह मुकर गया। युवती ने मामले की शिकायत पुलिस से की जिसके बाद पिछले माह ही पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। आरोपी को जेल भेजने के बाद गांव में दबंगों ने पंचायत बुलाई और पीड़िता पर ही दबाव बनाते हुए पीड़िता के परिवार को ही दोषी ठहराकर सामाजिक बंद का निर्णय ले लिया। आरोप है कि पंचायत में यह फैसला सुनाया कि पीड़िता और उसके पूरे परिवार को 12 साल तक गांव के समाज से बहिष्कृत रखा जाएगा।



■ गांव में बुलाई गई पंचायत, किया जा रहा प्रताड़ित
■ गर्भवती महिला और उसके परिवार को सुनाई गई 12 वर्षों की सजा

विकासखंड के बसंतपुर थाना क्षेत्र से भी एक ऐसा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है जिसमें दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार को दबंगों ने समाज से 12 साल से बहिष्कृत करने की सजा सुना दी। इसके लिए बाकायदा दबंगों ने गांव में पंचायत बैठाई और पीड़ित महिला और उसके परिवार का सहयोग करने के बदले उन्हें ही सजा सुना दी। इस घटना के बाद अब महिला और उसके परिवार के सदस्यों ने एसडीओपी वाडफनगर से मामले की लिखित शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। अब मामला सामने आने के बाद जिला व पुलिस प्रशासन भी जांच के बाद कार्रवाई की बात कर रहा है।

पंचायत का विवादित आदेश

दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती महिला को समाज से बहिष्कृत करने की सजा सुनाकर भी गांव में दबंगों की प्रजाइना खत्म नहीं हुई है। आरोप है कि पंचायत द्वारा पीड़िता के परिवार के सामने कुछ अपमानजनक शर्तें भी रखी गई हैं। बताया जा रहा है कि स्पष्ट है कि यदि पीड़िता का परिवार अपनी गलती स्वीकार करता है, तो उन्हें पूरे गांव के लोगों के पैर धोकर उस पानी से महलगाया जाएगा।

एसडीओपी से शिकायत, न्याय की गुहार

इस घटना के बाद अब महिला और उसके परिवार के सदस्यों ने एसडीओपी वाडफनगर से मामले की लिखित शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। अब मामला सामने आने के बाद जिला व पुलिस प्रशासन भी जांच के बाद कार्रवाई की बात कर रहा है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

मामला प्रशासन के संज्ञान में आया है। दोनों पक्षों को बुलाकर बैठाया जाएगा और पूरे मामले की जांच के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा।
- नीरजिनि नन्देहा, एसडीएम

फिट इंडिया कार्निवल के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे केंद्रीय मंत्री तोखन साहू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी फिट इंडिया मूवमेंट को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से खेले इंडिया योजना के अंतर्गत द्वितीय फिट इंडिया कार्निवल का आयोजन 8 मार्च 2026 को प्रातः 9:00 बजे से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।



भारतीय खेल प्राधिकरण (Sports Authority of India) के उप महानिदेशक श्री मयंक श्रीवास्तव (IPS) ने औपचारिक पत्र के माध्यम से श्री तोखन साहू को इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के फिट और स्वस्थ भारत के विजन को साकार करने के लिए फिट इंडिया मूवमेंट देशभर में लोगों को सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस अवसर पर आयोजित फिट इंडिया कार्निवल में आमजन के लिए विभिन्न आकर्षक गतिविधियाँ और जौन बनाए जाएंगे।

दुबई के अबूधाबी में फंसे पूर्व मंत्री के बेटा बहू

सक्ती। अबिभाजित मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री नोबेल कुमार वर्मा के पुत्र कांग्रेस नेता नितेश कुमार वर्मा एवं उनकी पत्नी सिद्धि वर्मा दुबई के आबू धाबी में फंसे हुए हैं। दरअसल वे पिछले दिनों दुबई यात्रा पर गए हुए थे जहां से उनकी वापसी 5 मार्च को होनी थी लेकिन ईरान और इजरायल युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द होने के कारण वे नहीं निकल पा रहे हैं।



इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा के सुपुत्र कांग्रेस नेता नितेश वर्मा अपनी पत्नी सिद्धि वर्मा के साथ दुबई यात्रा पर गए हुए थे। बताया जाता है कि यात्रा के बाद भारत वापसी के लिए 5 मार्च को उनकी फ्लाइट थी, लेकिन इस दौरान ईरान व इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिसके कारण भी भारत नहीं आ सके। परिजन के मुताबिक

भारत विरोधी नेता ओली की करारी हार बालेन शाह ने 50 हजार वोट से हराया

एजेसी। काठमांडू। नेपाल के आम चुनाव परिणामों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह ने बड़ी जीत हासिल कर ली है। झापा जिले के निर्वाचन क्षेत्र-5 से बालेन शाह को विजयी घोषित किया गया है। खासबात यह है कि इस



सीट से उन्होंने नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रमुख नेता केपी शर्मा ओली को करीब 50 हजार मतों के अंतर से हराया है। अंतिम मत परिणाम के अनुसार बालेन शाह को कुल 68,348 वोट मिले, जबकि केपी शर्मा ओली को इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 18 हजार वोट प्राप्त हुए। इस प्रकार दोनों उम्मीदवारों के बीच लगभग 50 हजार मतों का बड़ा अंतर रहा और बालेन शाह ने शानदार जीत दर्ज की है। ओली ने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का चुनाव जीता था। इधर, आरएसपी के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने चितवन-2 सीट से जीत हासिल की। उन्हें 54,402 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेपाली कांग्रेस की मीना कुमारी खरेल को 14,564 वोट मिले। यह उनकी लगातार तीसरी जीत है।

सबसे बड़ी पार्टी बनी आरएसपी-165 सीटों पर शुरूआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। आरएसपी ने अब तक 46 सीटें जीत ली हैं, जबकि 73 सीटों पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रवि लामिछाने ने बनाई थी।

58 फीसदी मतदान-पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग (कलेक्टर कार्यालय के पीछे) जिला कोरिया (छ.ग.)
(कार्यालय E-mail ID-icpskororia@gmail.com)

क्रमांक /515/मबावि/मि.वा./ बाल विवाह/2025-26 बैकुण्ठपुर दिनांक 06/3/2026

// बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत घोषित करने के पूर्व दावा आपत्ति आमंत्रण //

संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के पत्र क्रमांक 33/5651/मबावि/मि.वा./ सारा/2025-26 रायपुर 08.08.2025 के निर्देशानुसार ऐसे नगरीय निकाय जहाँ विगत दो वर्षों में बाल विवाह नहीं हुआ है। ऐसे नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना है। कोरिया जिले के नगर पालिका बैकुण्ठपुर, शिवपुर चरचा, पटना के नगर पालिका अधिकारी एवं बैकुण्ठपुर विकासखण्ड अंतर्गत 120 ग्राम पंचायत एवं सोनहत विकासखण्ड अंतर्गत 42 ग्राम पंचायत से प्राप्त पत्रानुसार वर्ष 2023-24 से वर्ष 2024-25 में बाल विवाह का प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है। जिसका प्रस्ताव नगरीय निकाय/ग्राम पंचायत के सभाओं में प्रस्ताव पारित किया गया है। जिले के नगर पालिका बैकुण्ठपुर, शिवपुर चरचा, पटना एवं विकासखण्ड बैकुण्ठपुर एवं सोनहत के ग्राम पंचायतों में विगत दो वर्षों में बाल विवाह नहीं होने के संबंध में नगरीय निकाय/पंचायतों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिनका सत्यापन संबंधित नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत के अमले के द्वारा सत्यापन कराते हुए बाल विवाह नहीं होने पर बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय/ग्राम पंचायत घोषित करने की अनुमति प्राप्त हुई है। जिन्हें बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय/ग्राम पंचायत घोषित कर प्रमाण पत्र जारी किया जाना है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्थान को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तथा नगरीय निकाय/ग्राम पंचायत में बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में होने पर इस संबंध में विज्ञापन प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यालयीन समय सुबह 10:00 बजे से शाम 05:30 बजे तक लिखित में सूचनागत दस्तावेजों के साथ दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि के उपरान्त दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किये जायेंगे न ही ऐसे आपत्ति पर विचार किया जायेंगा। (कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कोरिया (छ.ग.)

केनरा बैंक Canara Bank

केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लॉट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम के पास, साकेत नगर, भोपाल फोन : 89899014648

ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें]
चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्थियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की विक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्गीत अचल संपत्तियों के उद्योगों एवं उद्यमताओं को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्गित संपत्तियों के विक्रय (सुरक्षित लेनदार) के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्न वर्गीत संपत्तियों का उसके कब्जा ले लिया गया है। निम्नवर्गित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **02/04/2026** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहाँ है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/जमानदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक कब्जा दिनांक बकाया राशि	आश्रित मूल्य घरोहर राशि बिड बढ़ाने की राशि
ग्रामी: मेसर्स लालचंदानी केमिक्स प्रोपराइट-श्री संजय लालचंदानी	भूमि एवं भवन (लीज होल्ड संपत्ति) स्थित सिलपहारी ओडोपिक क्षेत्र, वर्ल्डकॉफी, प्लॉट नंबर 10, खसरा नंबर 18 और 42 का भाग, भोपाल- सिलपहारी, महसूल-विक्रमा, जिला- बिलासपुर, छत्तीसगढ़ क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर 21528 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- मेसर्स लालचंदानी केमिक्स, द्वारा प्रोपराइट- श्री संजय लालचंदानी पुत्र वीरदेव लाल लालचंदानी के नाम पर आवंटित, लीजहोल्ड पीरियड 06.05.2022 से शुरू होकर 05.05.2121 को समाप्त होगा चर्चसूचीमां: पूर्व-प्लॉट नंबर 11, पॉथर-प्लॉट नंबर 9, उत्तर-प्लॉट नंबर 43 ए वी और सी, सड़क- 24 मीटर चौड़ी सड़क	24/06/2024 17/09/2024 दि. 07/03/2026 को	₹ 44,80,000/- ₹ 4,48,000/-
नंबर 10 औद्योगिक क्षेत्र सिलपहारी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001 श्री संजय लालचंदानी	● भूमि/प्लॉट-भवन का उपयोग केवल उद्योग स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। ● सफल बोलीदाता द्वारा राज्य सरकार/उद्योग निदेशालय/जिला व्यापार और औद्योगिक केंद्र/नीलामि/आईसीएल/डिडी द्वारा आवंटित भूमि/प्लॉट के लिए उस समय प्रचलित भूमि हस्तांतरण शुल्क और व्याज सहित पुराने बकाया का भुगतान करना होगा। ● अनुमति उसी प्रयोजन के लिए होगी जिसके लिए भूमि/प्लॉट भवन आवंटित किया गया है। ● खरीदार को संपत्ति का कब्जा प्राप्त होने की तारीख से 90 दिनों के भीतर भूमि आवंटन/हस्तांतरण के लिए आवेदन जमा करना होगा। BAANKNET PROPERTY ID: CNRB31983022 COORDINATES: 22.01818, 82.191135	19.16.367.93 *ब्याज एवं अन्य खर्च	

धरोहर राशि (इंश्युरेंस) जमा करने की अंतिम तिथि 01/04/2026 या उससे पूर्व सार्व 5.00 बजे तक ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 02/04/2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनट के असीमित विस्तार पर)

(1) इच्छुक बोलीदाताओं को आश्रित मूल्य की 10% अंतिम राशि (इंश्युरेंस) सीधे मेसर्स पीएसपी अलक्स प्राइवेट लिमिटेड (baanknet.com) पोर्टल के ई-बोलीट में जमा करनी होगी या चालान जनरेट करके बोली जमा करने की उपर्युक्त तिथि को उक्त धारणा में अलिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से इंश्युरेंस जमा करनी होगी।
(2) सफल बोलीदाता को विक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई इंश्युरेंस सहित) उसके पक्ष में विक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि विक्री की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपर्युक्त अनुसंधान विक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई राशि जबरन ली जाएगी।
(3) सभी शुल्क, स्टंप शुल्क/जीएसटी/पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किरीसी की स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।
विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट <http://BAANKNET.COM> देखें अथवा सम्पर्क करें- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लॉट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम के पास, साकेत नगर, भोपाल 89899014648, 8057766078, 9691096410, 9123403299 (भोपाल), 7995027805 (रायपुर एवं बिलासपुर), 7683068902 (रायपुर), 9140476074 (खालियार), 9830130770 (इंदौर), 8073562754 (BHOHAL)
दिनांक : 07.03.2026, स्थान : भोपाल प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

ALLEN Results Validated by
Official result validator
EY
Shape the future with confidence

ALLEN CHHATTISGARH

JEE MAIN 2026 (SESSION-1)

CHAMPIONS

2nd
C.G. Topper

99.991
%ile

AADITYA AGNIHOTRI
Classroom Course

3rd
C.G. Topper

99.976
%ile

ATHARVA THAKUR
Classroom Course

99.960
%ile

GAURAV
Classroom Course

99.922
%ile

SARTHAK MOHRIL
Classroom Course

99.884
%ile

ATHARV SHARMA
Classroom Course

99.852
%ile

DIVYANSH YADAV
Classroom Course

4 Students Scored
99.9 %ile & Above

16 Students Scored
99.5 %ile & Above

59 Students Scored
98 %ile & Above

111 Students Scored
95 %ile & Above

And Many More...

ALLEN Chhattisgarh Olympiad Results

4

Selections in Orientation Cum Selection Camp in IJSO Since 2022

62

Selections in Indian National Mathematics Olympiads (INMO) Since 2022

96

Selections in Indian National Olympiads (INO) Since 2022

218

Selections in Regional Mathematics Olympiads (RMO) Since 2022

आरंभ

ADMISSION CARNIVAL 2026

CLAIM YOUR ALLEN ADVANTAGE

Scholarship benefits

Flexible payment plans

Seat in early batches

ADMISSIONS OPEN

JEE (MAIN+ADV.) | NEET (UG) | OLYMPIADS | CLASS 8TH TO 12TH & 12TH PASS

Class 11th

NURTURE COURSE
JEE (Main+Adv.): 23 March & 15 April 26
NEET (UG): 23 March & 15 April 26

Class 12th

ENTHUSIAST COURSE
JEE (Main+Adv.): 03 April 26
NEET (UG): 03 April 26

Class 8th, 9th & 10th

PRE-NURTURE & CAREER FOUNDATION
26 March & 23 April 26

NEET (UG) CRASH COURSE

for Class 12th Appeared/Pass
Target Students 2026
16 & 30 March 26

SIGN UP FOR ASAT

GET UP TO

90%

SCHOLARSHIP*

SPECIAL OFFER ASAT JUST ₹500 ₹99

Test Dates

15 & 22

March 2026

ALLEN BILASPUR

8951395460

allen.ac.in/bilaspur

ALLEN KOTA

8690660111

allen.ac.in

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid courses.

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

महिला दिवस पर विशेष

रायगढ़ से स्वतंत्र महंत की रिपोर्ट



बस्तर में जब नक्सली गतिविधियां चरम पर थी तो बहुत से पुलिस अफसर भी वहां पदस्थापना से घबराते थे। ऐसे दौर में छत्तीसगढ़ की प्रथम डीएसपी निवेदिता पॉल ने सारी चुनौतियों को स्वीकारते हुए करीब 10 साल साहस के साथ अपनी सेवाएं दीं। नक्सल गतिविधियों की चुनौती के बीच कानून व्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाई। दुर्गम इलाकों में कई-कई किलोमीटर पैदल चलते हुए अभियानों को दिया अंजाम दिया। छत्तीसगढ़ की प्रथम डीएसपी निवेदिता पॉल बस्तर की धरती पर साहस, सेवा और समर्पण की मिसाल हैं। बस्तर में पोस्टिंग किसी चुनौती से कम नहीं है। घने जंगल, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और नक्सल गतिविधियों की चुनौती, इन सबके बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखना किसी भी पुलिस अधिकारी के लिए आसान नहीं होता। ऐसी कठिन परिस्थितियों में उप पुलिस अधीक्षक निवेदिता पॉल ने अपने सेवा काल के महत्वपूर्ण दस वर्ष बस्तर क्षेत्र को समर्पित किए। कार्यकाल के दौरान कांकर, कोंडागांव और जगदलपुर जैसे जिलों में उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रही।

दस साल बस्तर की धरती पर साहस सेवा और समर्पण की मिसाल

नक्सलियों के आत्मसमर्पण में निभाई भूमिका

नक्सल विरोधी अभियानों के साथ-साथ उन्होंने नक्सलियों के आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया। संवाद और पुनर्वास की योजनाओं के माध्यम से कई युवाओं और मटके हुए लोगों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया गया। निवेदिता पॉल ने सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक विकास और जागरूकता को भी समान महत्व दिया। बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए प्रशासन और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर उन्होंने कार्य किया। उन्होंने बस्तर के अंदरूनी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों तक पहुंचकर बच्चों से संवाद किया, उन्हें पढ़ाया और शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया।



नक्सलियों के आत्मसमर्पण में निभाई भूमिका

नक्सल विरोधी अभियानों के साथ-साथ उन्होंने नक्सलियों के आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया। संवाद और पुनर्वास की योजनाओं के माध्यम से कई युवाओं और मटके हुए लोगों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया गया। निवेदिता पॉल ने सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक विकास और जागरूकता को भी समान महत्व दिया। बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए प्रशासन और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर उन्होंने कार्य किया। उन्होंने बस्तर के अंदरूनी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों तक पहुंचकर बच्चों से संवाद किया, उन्हें पढ़ाया और शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया।



सीमित संसाधनों में किया काम

निवेदिता पॉल ने बताया कि बस्तर में अपने कार्यकाल के दौरान अनेक नक्सल विरोधी अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने घने जंगलों, पहाड़ी इलाकों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी टीम के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इन अभियानों में सर्व ऑपरेशन, एरिया डोमिनेशन, संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त तथा नुस्खा व्यवस्था को मजबूत करना शामिल रहा। कई बार सुरक्षा बलों को दुर्गम क्षेत्रों में कई किलोमीटर पैदल चलकर अभियान संचालित करने पड़ते थे। ऐसे कठिन अभियानों में उनका नेतृत्व, साहस और दृढ़ संकल्प पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

गर्भावस्था के दौरान नक्सल विरोधी अभियानों में लिया भाग

निवेदिता की सेवाकाल का मार्मिक पंहुच भी है कि बस्तर में पदस्थापना के दौरान गर्भावस्था में भी कई नक्सल विरोधी अभियानों में भाग लेकर उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। महिलाओं का यह दौर जीवन का सबसे कठिन दौर होता है। यह केवल साहस ही नहीं, बल्कि सेवा के प्रति उनके गहरे समर्पण को भी दर्शाता है। पुत्रो जमावर के जन्म के बाद भी उन्होंने बिना रुके लगातार अभियानों और फील्ड ड्यूटी में सक्रिय भागीदारी जारी रखी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कई स्थानों पर नक्सलियों द्वारा बनाए गए स्मारक और प्रतीक चिह्न भंग और हिंसा के प्रतीक बर्तन चुके थे। निवेदिता ने ऐसे कई नक्सल स्मारकों को ध्वस्त करने की कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

300 महिलाओं ने बदली गांव की तस्वीर

15 साल में गांव से एक भी अपराध थाने तक नहीं पहुंचा



हाथ में डंडा मुंह में सीटी

बिलासपुर। उतारो मुझे जिस क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कर दिखाऊंगी, औरों से अलग हूँ दिखने में, कुछ अलग कर के ही जाऊंगी। चाह नहीं है एक अलग नाम की, इसी को महान बनाऊंगी, नारी हूँ मैं इस युग की, नारी की अलग पहचान बनाऊंगी। कविता की यह पंक्ति बिलासपुर की इन महिलाओं पर सटीक बैठती है। बिलासपुर जिले में एक छोटा-सा गांव जुहली आज पूरे प्रदेश के लिए एक बड़ी मिसाल बन गया है। एक समय था जब यहां अवैध शराब का बोलबाला था, लेकिन आज महिला शक्ति की बदौलत यह गांव नशा मुक्त, अपराध मुक्त और आदर्श ग्राम बन चुका है। लगभग 300 महिला कर्मांडों की टोली गांव को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने में जुटी है, और नतीजा यह है कि बीते 15 वर्षों से गांव से एक भी अपराध थाने तक नहीं पहुंचा। सीपत थाना क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य गांव जुहली में 90 प्रतिशत आबादी आदिवासी समुदाय की है। यहां की लगभग 300 महिलाएं महिला कर्मांडों के रूप में संगठित होकर 2020 से गांव में नशा, अपराध और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चला रही हैं। हर रविवार गांव में बैठक होती है, जिसमें महिलाएं बच्चों के भविष्य, महिलाओं की सुरक्षा और गांव के विकास पर चर्चा करती हैं।

नशा छोड़ो, समाज जोड़ो है जुहली का मंत्र

इन महिला कर्मांडों का मानना है कि नशा ने न केवल परिवारों को तोड़ा बल्कि सामाजिक तिरस्कार और आर्थिक बर्बादी का कारण भी बना है। इसलिए गांव की हर महिला अब इस दिशा में सजग प्रवृत्ति बन चुकी है। उनका एकमात्र लक्ष्य है नशा छोड़ो, समाज जोड़ो। जुहली की यह पहल अब आस-पास के गांवों को भी प्रेरित कर रही है। कारिशापुर जैसे गांव अब इसी राह पर चल पड़े हैं। महिला कर्मांडों की इस संगठित कोशिश ने यह दिशा दिया कि अगर महिलाएं ठान लें, तो समाज में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

पहले झगड़े आम बात थी, अब शांति

गांव की आदिवासी महिला सरपंच दंडेश्वरी त्रिभुवन मरावी कहती हैं, पहले गांव झगड़े आम बात थी, अब शांति है। ये सब हम महिलाओं की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा जुहली गांव की यह पहल समाज में एक सशक्त संदेश देती है कि जब महिलाएं जागरूक होती हैं, तो बदलाव निश्चित होता है। शराबबंदी समूह की अध्यक्ष वैदेमती मरावी ने बताया कि 3 वर्ष पहले तक गांव में शराब की बिक्री हो रही थी जिससे बच्चों के अलावा स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों भी शराब पीने के आदि हो रहे थे।

गांव में ही होता है आपसी विवादों का समाधान

जुहली गांव में कोई भी समस्या या विवाद थाने तक नहीं पहुंचता। गांव की महिलाएं, सरपंच और पंच मिलकर आपसी संवाद और पंचायत के माध्यम से ही हर मुद्दे का समाधान करते हैं। वैसे से संबंधित किसी भी गतिविधि पर तुरंत गांव स्तर पर सख्त कार्यवाही की जाती है। पुलिस भी हैरान है कि जुहली गांव से पिछले 15 वर्षों में एक भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। एसएसपी राजेश सिंह ने भी वेटना अभियान में इन महिला कर्मांडों को घेना प्रहरी की उपाधि प्रदान की। एसएसपी श्री सिंह के मुताबिक गांव की महिलाएं प्रेक्ष के लिए प्रेरणा हैं। उन्हें आई कैंड और महिला कर्मांडों का दर्जा भी दिया गया है। हालांकि पुलिस नियमों के अनुसार इनका कार्यक्षेत्र गांव तक सीमित रहेगा।

अखाड़े की मिट्टी में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सीख रहीं कुश्ती के दांव-पेंच

मजबूत बेटियों की दहाड़ अखाड़े में भर रहीं हुंकार

कुश्ती को लंबे समय तक पुरुषों का खेल माना जाता रहा है, लेकिन अब राजधानी रायपुर की बेटियां इस धारणा को तोड़ रही हैं। पुरानी बस्ती स्थित दंतेश्वरी अखाड़ा इन दिनों बिल्कुल फिल्म दंगल की कहानी जैसा नजर आता है। यहां लड़कियां अखाड़े की मिट्टी में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कुश्ती के दांव-पेंच सीख रही हैं और कई प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज कर राज्य का नाम रोशन कर रही हैं।

ललित राठोड़ ►► रायपुर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरिभूमि टीम अखाड़े पहुंची। यहां अभ्यास कर रही लड़कियों के दांव इतने सटीक थे कि वे पलक झपकते ही सामने वाले खिलाड़ी को चित कर देती हैं। नेशनल खिलाड़ी 18 वर्षीय निधि यादव बताती हैं कि दंतेश्वरी अखाड़ा उनके जन्म से पहले का है और बचपन से ही वह यहां लोगों को कुश्ती करते देखती आई हैं। अक्षरा बताती हैं कि पांच-छह साल पहले तक लड़कियों के लिए अखाड़े का माहौल सहज नहीं था। शुरुआत में उन्हें भी झिझक थी कि लड़कों के साथ दांव कैसे लड़ाएंगी, लेकिन आगे बढ़ने की चाह ने उन्हें अखाड़े तक पहुंचाया। कुछ ही महीनों में उन्होंने लड़कों के साथ अभ्यास करते हुए कुश्ती के कई दांव सीख लिए। आज यहां दर्जनों लड़कियां नियमित अभ्यास करने आती हैं और जरूरत पड़ने पर लड़कों के साथ भी मुकाबला करती हैं।



परिवार का साथ मिला, सालभर में बनीं नेशनल खिलाड़ी

नेशनल प्रतियोगिता की पहलवान राधिका पटेल बताती हैं कि कुश्ती में 'थोड़ी पछाड़' दांव देखने के बाद ही उन्होंने तय कर लिया था कि उन्हें भी यह खेल सीखना है। शुरुआत में लड़कों के बीच अभ्यास करने को लेकर झिझक थी, लेकिन परिवार ने पूरा साथ दिया। राधिका बताती हैं कि शुरुआती प्रतियोगिताओं में उनका मुकाबला लड़कों से भी हुआ। इससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा। आज वह नेशनल स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रही हैं और नियमित रूप से अखाड़े में अभ्यास करती हैं। उनका कहना है कि कुश्ती ताकत के साथ तकनीक का भी खेल है। सही समय पर सही दांव लगाव ही जीत का मूल मंत्र है। अगर तकनीक और टाइमिंग सही हो, तो सामने वाले पुरुष खिलाड़ी ही क्यों न हो, उसे भी चित किया जा सकता है।



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हरिभूमि टीम पहुंची दंतेश्वरी अखाड़ा



पांच साल में शून्य से 20 के पार पहुंची महिला पहलवान

राजधानी में चार प्रमुख अखाड़े हैं, लेकिन लड़कियां मुख्य रूप से दंतेश्वरी अखाड़े में ही अभ्यास करने आती हैं। अखाड़े के प्रशिक्षक अशोक पहलवान और दिलीप यदु बताते हैं कि यहां से हर साल एक दर्जन से अधिक लड़कियां स्कूल और कॉलेज स्तर के नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करती हैं। करीब पांच साल पहले तक यहां महिला पहलवानों की संख्या शून्य के बराबर थी, लेकिन अब यह आंकड़ा 20 के पार पहुंच चुका है। इनमें से एक दर्जन से ज्यादा लड़कियां नियमित रूप से अभ्यास करने आती हैं। प्रशिक्षक का कहना है कि दंगल और सुल्तान जैसी फिल्मों के बाद लड़कियों में कुश्ती के प्रति उत्साह बढ़ा है। अब ये बेटियां समाज की परवाह किए बिना अखाड़े की मिट्टी में परसीना बहा रही हैं और लड़कों को चुनौती देने में भी पीछे नहीं हट रहीं।

कालेज में एनसीसी लेने के दौरान देश सेवा का सपना और मजबूत हुआ

गांव से निकल सेना में लेफ्टिनेंट बनीं सुप्रिया इंजीनियरिंग और सैटेलाइट को करेगी कंट्रोल

मेहनत, लगन और सपने बड़े हों, तो गांव से निकलकर भी देश सेवा करते हुए पहचान बनाई जा सकती है। इसे साबित किया है, मुंगेली जिले के ग्राम देवाधीरा की रहने वाली सुप्रिया ठाकुर ने। सुप्रिया का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है। सुप्रिया का चयन एसएससी (महिला) टेक -66 एंटी के माध्यम से हुआ है। उन्हें 17 एसएसबी बोर्ड, बंगलुरु से रिकमेंडेशन मिला है।

मेहनत, लगन और सपने बड़े हों, तो गांव से निकलकर भी देश सेवा करते हुए पहचान बनाई जा सकती है। इसे साबित किया है, मुंगेली जिले के ग्राम देवाधीरा की रहने वाली सुप्रिया ठाकुर ने। सुप्रिया का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है। सुप्रिया का चयन एसएससी (महिला) टेक -66 एंटी के माध्यम से हुआ है। उन्हें 17 एसएसबी बोर्ड, बंगलुरु से रिकमेंडेशन मिला है। खास बात यह है कि सुप्रिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स वैकेंसी में ऑल इंडिया रैंक-4 हासिल कर देशभर में शानदार प्रदर्शन किया है। सुप्रिया ने बताया कि उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हायर सेकेंड्री स्कूल, तारबहार, बिलासपुर से पूरी की। इसके बाद उन्होंने चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग किया। इस दौरान उन्होंने एनसीसी भी लिया था जिसमें 'सी' सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर चुकी हैं। इसी दौरान उन्हें भारतीय सेना का एक्सपोजर मिला, जिससे उनके भीतर देशसेवा का सपना और मजबूत हुआ। सुप्रिया ने बताया कि बचपन से ही उनके मन में सेना में ऑफिसर बनकर देश की सेवा करने की इच्छा थी। इस सफलता के पीछे उन्होंने अपने माता-पिता और भाई का बड़ा योगदान माना है। सुप्रिया के पिता वैदेही शरण सिंह श्रीनेत और माता संतोषी सिंह श्रीनेत हैं।



बिलासपुर से विकास चांवे की रिपोर्ट

गया में होगी 11 महीने की ट्रेनिंग

सुप्रिया की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी सुप्रिया ठाकुर को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होने पर शुभकामनाएं दी हैं। सुप्रिया ने बताया कि 25 मार्च से गया (बिहार) में उनकी 11 महीने की ट्रेनिंग शुरू होगी। ध्यान रहे कि गया में ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी है। इस ट्रेनिंग में देश भर की चयनित 29 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त करेंगीं। इसके बाद इन्हें स्ट्रीम अलाटमेंट के साथ पोस्टिंग मिलेगी।

महिलाओं के लिए ड्राइवरी का पद आरक्षित भी है, बावजूद इसके महिलाएं ड्राइवर बनने से कतरा रही

हर क्षेत्र में नारी की उड़ान, पर पुलिस ड्राइविंग में अब भी अनजान

गिररीश केशरवानी ►► रायपुर

इस संबंध में जब हरिभूमि ने राज्य के उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा से सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि महिलाओं को पुलिस विभाग में ड्राइवर बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इच्छुक महिलाओं को शासन स्तर पर प्रशिक्षण देने की व्यवस्था भी की जाएगी। वहीं अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने कहा कि पुलिस विभाग में ड्राइवर बनने की इच्छुक महिलाओं को ड्राइविंग सिखाने में परिवहन विभाग हरसंभव सहयोग करेगा। यह होना चाहिए, हम हर संभव मदद करेंगे। दूसरे राज्यों में महिलाएं संभाल रही ड्राइविंग पुलिस विभाग में महिला ड्राइवर की शुरुआत केरल से हुई थी। वहां वर्ष 2014 से महिला पुलिसकर्मी ड्राइविंग का कार्य कर रही हैं। इसके बाद मुंबई, उत्तर प्रदेश,



दिल्ली, तमिलनाडु, कोयंबटूर और बिहार में भी महिला कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल पीसीआर वैन, एंबुलेंस और पुलिस गश्ती वाहन चला रही हैं। छत्तीसगढ़ के बाद बने

महिला पुलिसकर्मीयों को करेंगे प्रोत्साहित

प्रोत्साहित किया जाएगा पुलिस विभाग में ड्राइविंग कार्य करने की इच्छुक महिला पुलिसकर्मीयों को शासन स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा। जो महिलाएं पुलिस विभाग में ड्राइवर बनना चाहती हैं, उन्हें प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी।

- विजय शर्मा, गृहमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

तेलंगाणा जैसे राज्यों में भी 'विमेंस सेफ्टी विंग' के तहत महिलाओं को ड्राइवर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण पुलिस

विभाग में निकलने वाली भर्तियों में अनारक्षित से लेकर आरक्षित सभी पदों में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। ऐसे में ड्राइवर के पद पर कार्य करने की इच्छुक महिलाओं को भी उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी मिल सकती है। इसके बावजूद पुलिस विभाग में ड्राइवर पद के लिए अब तक किसी महिला ने आवेदन नहीं किया है। यही कारण है कि राज्य गठन के 25 साल बाद भी छत्तीसगढ़ पुलिस में एक भी महिला ड्राइवर नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर में दिखा नारी शक्ति का साहस पिछले वर्ष मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय महिला सैन्य अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुर्शी ने अद्वितीय साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया था। इन दोनों अधिकारियों ने पाकिस्तान में आतंकी लांचिंग पैड को नष्ट कर 'नारी शक्ति' का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया था।

महिलाओं की मर्ती होनी चाहिए

राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी के अनुसार राज्य बनने के पहले से लेकर अब तक जितनी महिलाओं को पुलिस में भर्ती हुई है, उनमें एक भी महिला पुलिसकर्मी ने ड्राइवर बनने के लिए आवेदन नहीं किया है। उनके अनुसार पुलिस विभाग में ज्यादातर बड़े और भारी वाहन होते हैं, जो ट्रक जैसे होते हैं और फोर्स की गाड़ियां ज्यादा रहती हैं। संभवतः इसी कारण महिला पुलिसकर्मी ड्राइवर बनने से कतराती हैं। हालांकि महिला पुलिसकर्मीयों को ड्राइवर पद पर भर्ती किया जाना चाहिए। वे पेट्रोलिंग के साथ टीआई और अन्य अधिकारियों को गाड़ियां भी चला सकती हैं।

परिवहन विभाग करेगा मदद

अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने कहा कि पुलिस विभाग में ड्राइवर बनने की इच्छुक महिलाओं को ड्राइविंग सिखाने में परिवहन विभाग हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि महिलाओं को पुलिस वाहन चलाने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रेनिंग रिसर्च (आईडीटीआर) में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जा सकती है।

- डी. रविशंकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

पिंक बॉल टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने की अपनी पकड़ मजबूत, दूसरी पारी में भारत ने गंवार 6 विकेट

पहली पारी में टीम इंडिया नहीं बना पाई बड़ा स्कोर

पर्थ। भारत के खिलाफ वाका ग्राउंड पर जारी इकरौते डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम इंडिया दूसरे दिन की समाप्ति तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 105 रन ही बना सकी है। फिलहाल मेजबान ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 20 रन की लीड शेष है।

टॉस गंवारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 198 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से इस पारी में जेमिमा रोड्रिगेज ने 84 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 35 रन और काशी गौतम ने नाबाद 34 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट निकाले। 2 विकेट डार्ली ब्राउन के हाथ लगे। 1 विकेट एश्ले गार्डनर ने अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 323 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर 125 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली।

कप्तान एलिस पेरी ने एनाबेल सदरलैंड के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की, जिसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जुटाए। एलिस पेरी 11 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि बेथ मूनी ने 19 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। सदरलैंड ने 171 गेंदों में 17 चौकों के साथ 129 रन बनाकर टीम को शानदार बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत की तरफ से सायली सतधरे ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। क्रांति गौड़ और दीपति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। स्नेह राणा और शेफाली वर्मा ने 1-1 विकेट निकाला।



दूसरी पारी में भी नहीं चला स्मृति का बल्ला

इसके बाद टीम इंडिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक अपनी दूसरी पारी में 29 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट गंवारकर महज 105 रन बनाए हैं। भारत को 2 रन पर स्मृति मंधाना (2) के रूप में बड़ा झटका लगा। इसके बाद 10 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (5) का विकेट भी गिर गया। यहां से प्रतीका रावल ने जेमिमा रोड्रिगेज (14) के साथ 28 रन, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) के साथ 26 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। इसके अलावा, स्नेह राणा के साथ सातवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी की। प्रतीका दूसरे दिन की समाप्ति तक 43 रन बनाए। 84 गेंदों की इस पारी में उनके बल्ले से 6 चौके निकले हैं, जबकि स्नेह राणा 2 चौकों के साथ 14 रन बना चुकी हैं। विपक्षी खेमे से लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट हासिल कर लिए हैं, जबकि सदरलैंड 2 विकेट ले चुकी हैं। 1 विकेट डार्ली ब्राउन ने प्राप्त किया है।

अनाबेल ने शतक लगाकर रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड टेस्ट में लगातार तीन पारियों में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने पर्थ में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 129 रन की पारी खेली। अपना सातवां टेस्ट मैच खेल रही सदरलैंड ने 17 चौकों की मदद से अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने 171 गेंद पर 129 रन बना लीं। इससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में बड़ी बढ़त बनाने में मदद मिली। यह सदरलैंड की टेस्ट क्रिकेट में लगातार तीसरा शतक है और पिछले पांच टेस्ट में उनका चौथा शतक है। सदरलैंड टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली आठवीं खिलाड़ी हैं।

ई-नीलामी सूचना

भारत एयुर्गेनिज्म कंपनी लिमिटेड, पोस्ट ऑफिस - बल्लोबाद, कोचा, प्रतीमा, प्रिंटींग-495684 से मुझे स्वयं सन्तान 'क्रेडिट' नामक ई-नेलामी (इलेक्ट्रॉनिक प्रोसिडियर) और 'ए' (फिजिकल प्रिंटर) हॉस्पिटल (लीग) के डिस्पोजल के लिए, इच्छुक स्वामीदारों से ई-ऑक्शन फॉर्म भेजना है। ये फॉर्म पूरी तरह से 'नीलामी' है, जहां 'है' के आधार पर, लॉट बिलियन पर होगा।

निरीक्षण और ई-नेलामी जमा करने की आखिरी तिथि - 21/03/2026, ई-नीलामी 23/03/2026 को सुबह 11:00 बजे ऑक्शन की शुरुआत है। ई-नीलामी फॉर्म के लिए श्री अनिल सिंह से संपर्क करें मोबाइल - 91-9826079263

ऑक्शन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)

ऑक्शन जानकारी के लिए : www.auctionexpress.in

भारत और कीवी टीम के बीच फाइनल मुकाबला आज शाम 7 बजे से

इतिहास रचने के लिए टीम इंडिया को पार करनी होगी न्यूजीलैंड की मुश्किल बाधा

एजेंसी ► अहमदाबाद

बेहद प्रतिभाशाली और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में इतिहास रचने की उम्मीदों का बोझ होगा, भले ही सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 19 नवंबर 2023 को बड़ा झटका लगा था जब वह ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप का फाइनल हार गया था। तब भारत ने भावुक नम आंखों वाले रोहित शर्मा को ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था। केवल भारतीय टीम ही नहीं बल्कि स्टेडियम में मौजूद 93000 दर्शक भी सन्न रह गए थे। भारत ने हालांकि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतकर इसकी काफ़ी हद तक भरपाई कर दी थी। अब खेल के सबसे छोटे प्रारूप की भारतीय टीम सूर्यकुमार की कप्तानी में खिताब का बचाव करने और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी।



भारत को टूर्नामेंट में मिला किस्मत का साथ

भारत को अब तक इस टूर्नामेंट में किस्मत का साथ मिला है। अगर वह खिताब जीत जाता है तो उन्हें सराहना मिलेगी लेकिन अगर वह हार जाते हैं तो फिर बहुत बड़ा बवाल मच सकता है। सूर्यकुमार ने पिछले दो वर्षों में टीम का बहुत अच्छे तरह से नेतृत्व किया है, भले ही एक बल्लेबाज के रूप में वह उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए। रविवार का दिन उनके करियर के लिए निर्णायक क्षण होगा। अगर उनकी टीम खुशगवार मौसम में अच्छा प्रदर्शन करती है तो उनकी सारी नाकामियां पल भर में मुला दी जाएंगी।

टीमें इस प्रकार

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अमिषेक शर्मा, संजू सेमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुनराह, वरुण चक्रवर्ती, अश्वीन सिंह, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिगटन सुंदर।
न्यूजीलैंड - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सोफ्ट, रचिन रविंद, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, मेट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्जी, काइल जैमिंसन, जैकब डफ्री, डेवोन कॉनवे, जिमी नोशन, इश सोदी।

इंडियन बैंक Indian Bank

शाखा - महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर (छ.ग.)

कबजा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम-8(1) अंतर्गत)

यतः अधोहस्ताक्षरी ने इंडियन बैंक, बिलासपुर शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आदित्यों का प्रतिभूतिकरण और पूर्णगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13 (12), संपत्ति नियम 3 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बिलासपुर शाखा के निम्नलिखित उधारकर्ता - श्री लक्ष्मी चरण वारे पिता श्री भगवान वारे एवं सह-उधारकर्ता- श्रीमती सुलोचिनी वारे पति श्री लक्ष्मी चरण वारे, दिनांक 15.12.2025 को डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें ऋण को देय नोटिस में उल्लेखित ऋण खाता बकाया राशि - रु. 2858116.00 (रुपये अठ्ठाईस लाख अठ्ठावन हजार एक सौ सोलह मात्र) से 60 दिनों के भीतर जमा करने के लिए कहा गया था। ऋण द्वारा राशि के भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋण एवं आम जनता को एनडि द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (4) संपत्ति उक्त नियम के नियम 8 के अधीन, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्ति को दिनांक 06.03.2026 को अपने कब्जे में लिया है। ऋण को विशेष रूप से एवं आम जनता को एनडि द्वारा सावधान किया जाता है कि इस संपत्ति बावत कोई व्यवहार न करें और इस संपत्ति के बावत किये गये व्यवहार पर इंडियन बैंक को देय राशि रु. 2858116.00/- तथा उस पर ब्याज के अन्वयेन होगा। देनदारों का ध्यान रखित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समर्थ हेतु अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

नोट- यह सूचना पूर्व में जारी सभी सूचना/सूचनाओं (यदि कोई हो) का स्थान लेती है तथा ऐसी पूर्व में जारी सभी सूचना/सूचनाएँ निरस्त एवं वापस ली हुई मानी जाएंगी। यह विशेष रूप से केवल सरकारी अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) के अंतर्गत जारी सूचना/सूचनाओं से संबंधित है।

अचल संपत्ति का विवरण

खसरा नंबर 1286/6 (पाग), प्लॉट नंबर 1090(पाग), सेक्टर नंबर 02, अभिषेक विहार, फेज III, प.ह.नं. 21/25, महर्षि स्कूल के पास, मीना-मन्गला, आनंदपुर बिलासपुर, ब्लॉक-बेलवा, तहसील-वजिला-बिलासपुर - 495001 पर स्थित आवासीय संपत्ति का सम्पन्न भाग तथा अंश। सोमार्ग पूर्व - सुरेश कुमार कश्यप का मकान नं. 01, पश्चिम- डॉ. प्रमो का मकान नं. 03, उत्तर-सड़क, दक्षिण-तिवारी जी का मकान। मालिकाना हक: श्री लक्ष्मी चरण वारे। (सरसई आईडी 400022464886 एवं एनडि आईडी 200022415673)

दिनांक: 08.03.2026, स्थान- बिलासपुर प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

न्यूजीलैंड से मिली टीम इंडिया को दिल तोड़ने की चेतावनी

एजेंसी ► अहमदाबाद

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि जब दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है तब उनकी टीम रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप में करोड़ों भारतीयों के दिल को तोड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सैंटनर वर्तमान समय के अन्य कप्तानों की तरह जोशीले नहीं हैं और ना ही वह मजाक करते हैं लेकिन उनकी हाजिरजवाबी से दर्शक उहाके लगा देते हैं। न्यूजीलैंड पिछले 11 वर्षों में पांच बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है लेकिन उसे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। सैंटनर ने कहा, 'हम मैदान पर उतरते हैं और एक टीम के रूप में अपना काम करते हैं। इस बार भी इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। निश्चित रूप से यह एक चुनौती होगी, क्योंकि हर कोई जानता है कि हम शायद जीत के प्रबल दावेदार नहीं हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रॉफी जीतने के लिए कुछ लोगों का दिल तोड़ने में मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।' उन्होंने कहा, 'यह कहना आसान है कि यह बस एक और मैच की तरह है लेकिन हर कोई जानता है कि ऐसा नहीं है। इसके लिए आपको अच्छी रणनीति और तैयारी होनी चाहिए।' सैंटनर ने कहा, 'विशेषकर टी20 क्रिकेट में कुछ ही पलों में पासा पलट जाता है। इन पलों में आप विपक्षी टीम पर दबाव बना सकते हैं या उनका फायदा उठा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमने हाल के मैचों में यही देखा।'



URMILA MEMORIAL HOSPITAL

200 BEDDED MULTI-SUPER SPECIALITY HOSPITAL

24X7 EMERGENCY

उच्चस्तरीय आईसीयू और क्रिटिकल केयर प्रबंधन

CARDIAC ICU
NEURO ICU
MEDICAL ICU
SURGICAL ICU
STEP-DOWN ICU

कुशल एवं अनुभवी चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं जीवनरक्षक उपकरणों के साथ- उच्चतम चिकित्सा देखभाल

EMANELMENT WITH ALL TPA, INSURANCE, SECL, SAIL, AIRPORT, NTPC, CSEB, CG STATE, CENTRAL GOVT.

हृदय की निःशुल्क ECHO जांच 10 मार्च 2026
लौवर की निःशुल्क फाइबरॉस्कोपी जांच 12 मार्च 2026
डायबिटीक फुट की निःशुल्क जांच 20 मार्च 2026
मस्तिष्क की EEG जांच 25 मार्च 2026

सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक, सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा

☎ 0771-4088820, 9109125524, 9589956859

📍 NAHAR ROAD, BHATAGAON, RAIPUR (C.G.)

केन्द्रीय विद्यालय एसईसीएल चिरमिरी

साक्षात्कार (Walk-In-Interview)

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में सत्र 2026-27 हेतु विभिन्न पदों पर संविद्या/अंशकालिक (Part-Time Contractual) आधार पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों, उनकी स्वयंसाक्षात्कार छयाप्रतियों तथा दो नवीनतम पासपोर्ट आकार के छयाचित्रों सहित निम्नलिखित तिथि एवं समय पर विद्यालय परिसर में उपस्थित हों।

क्र.	पदों का विवरण	साक्षात्कार का तिथि एवं समय	पता
1	स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT) - हिन्दी, अंग्रेजी, भौतिक-शास्त्र, रसायन-शास्त्र, जीव-विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, वाणिज्य, गणित, अर्थशास्त्र	दिनांक 19.03.2026 प्रातः 10:00 बजे दिन - गुरुवार	केन्द्रीय विद्यालय चिरमिरी, पोस्ट - सोनवनी, डोमनहिल, चिरमिरी, जिला: मनेन्दगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.), पिन - 497557
2	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) - हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं संस्कृत		गूगल फॉर्म लिंक: https://forms.gle/kfnChM ET19PSZYUL7
3	प्राथमिक शिक्षक (PRT)		
4	अन्य-खेलकूद प्रशिक्षक, योगा अनुदेशक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) शिक्षक, कंप्यूटर अनुदेशक, विशिष्ट शिक्षक (Special Educator), नर्स, डॉस कोच, काउंसलर		

पंजीकरण-आवेदन ऑनलाइन माध्यम से केंद्रीय विद्यालय, एसईसीएल चिरमिरी में किसी भी कार्यदिन पर तथा ऑनलाइन माध्यम से गूगल फॉर्म के द्वारा किया जा सकता है। पंजीकरण अवधि: 10.03.2026 से 18.03.2026 तक

महत्वपूर्ण निर्देश: 1. साक्षात्कार में भाग लेने हेतु कोई भी यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। 2. वेतन केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS) के नियमानुसार देय होगा। पदों की शैक्षणिक योग्यताओं एवं अन्य जानकारी के लिए विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट <https://seelchirimiri.kvs.ac.in> देखें। 3. सभी पद संविद्या/अंशकालिक (Part-Time Contractual) आधार पर हैं, अतः नियमित नियुक्ति हेतु कोई दावा मान्य नहीं होगा। 4. हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों में पढ़ाने की योग्यता तथा कंप्यूटर संचालन का कार्यसाधक ज्ञान आवश्यक है। 5. अभ्यर्थियों का चयन न्यूनतम योग्यताओं की पूर्ति, साक्षात्कार में प्रदर्शन तथा के.वि.सं. (KVS) की कठिन मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाएगा। विस्तृत जानकारी हेतु www.kvsangathan.nic.in का अवलोकन करें। 6. साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों का प्रातः 08:00 बजे से 10:00 बजे तक ही पंजीकरण किया जाएगा। निर्धारित समय के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। 7. यदि अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होती है, तो विद्यालय द्वारा लिखित परीक्षा आयोजित की जा सकती है।



दर्द अनेक, उपचार एक! प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपुर - 6261187686, नधानी एजेंसी, रायपुर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजेंसी-7000616262, ताराचंद चिततांगीया & कं. - 8889669996
Customer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradiksaherbals.com

₹ 120/-



दुनिया के सबसे दुर्लभ रंगीन सांप, जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे- क्या नजारा है

सांपों की दुनिया का जिक्र आते ही दिमाग में काले या भूरे रंग की डरावनी तस्वीरें दिमाग में बन कर आती हैं, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा रंगीन है। धरती पर ऐसे दुर्लभ सांप भी हैं जो नारंगी, नीले या हरे रंग के होते हैं। ये न केवल देखने में आकर्षक हैं बल्कि प्रकृति की रक्षा और अनुकूलन की अनोखी मिसाल भी पेश करते हैं। दुनिया में कुछ ऐसे दुर्लभ नारंगी रंग के सांप पाए जाते हैं, जो दिखने में बेहद खूबसूरत और अनोखे हैं। इनमें कोरल रेड कुकरी, अफ्रीकन बुश वाइपर, ऑरेंज-बैडेड कोरल, ऑरेंज-कॉलर कीलबैक और गोल्डन ट्री स्नेक शामिल हैं। इनके रंग सिर्फ सुंदर नहीं, बल्कि सुरक्षा और शिकार की रणनीति भी हैं।

कोरल रेड कुकरी

कोरल रेड कुकरी दक्षिण एशिया का एक बेहद दुर्लभ सांप है, जिसका शरीर चमकदार नारंगी-लाल रंग का होता है। यह गैर विषैला सांप अपनी रंगत से जंगल में आसानी से छिप जाता है। इसकी चमकदार त्वचा इसे पेड़ों और झाड़ियों में लगभग अदृश्य बना देती है। कभी इसे विलुप्त माना गया था, लेकिन भारत के दुधवा नेशनल पार्क में इसे दोबारा देखा गया।



लैकन भारत के दुधवा नेशनल पार्क में इसे दोबारा देखा गया।

ऑरेंज-बैडेड कोरल

हिमालय की तराई में पाया जाने वाला यह सांप अपने सिर के पीछे नारंगी कॉलर जैसी पट्टी के लिए मशहूर है। यह हल्का जहरीला होता है लेकिन इसका के लिए खतरा नहीं है। लगभग 83 सेंटीमीटर लंबा यह सांप ठंडे इलाकों के जंगलों में रहता है। इसका मुख्य भोजन छोटे जीव-जंतु हैं। इसकी नारंगी चमक इसे प्रकृति के बीच अलग पहचान देती है।



नारंगी चमक इसे प्रकृति के बीच अलग पहचान देती है।

अफ्रीकन बुश वाइपर

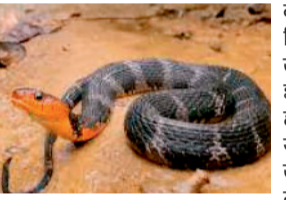
अफ्रीकन बुश वाइपर मध्य और पूर्वी अफ्रीका के घने जंगलों में पाया जाता है। यह विषैला सांप पेड़ों और झाड़ियों में रहता है और अपनी खुरदरी नारंगी स्केल्स से खुद को छिपा लेता है। यह रात में शिकार करता है और पक्षियों व छोटे जानवरों को पकड़ता है। हालांकि यह जहरीला है, मगर इसानों से दूर रहना ही इसकी फितरत है।



जहरीला है, मगर इसानों से दूर रहना ही इसकी फितरत है।

ऑरेंज-कॉलर कीलबैक

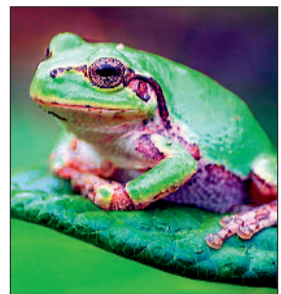
हिमालय की तराई में पाया जाने वाला यह सांप अपने सिर के पीछे नारंगी कॉलर जैसी पट्टी के लिए मशहूर है। यह हल्का जहरीला होता है लेकिन इसानों के लिए खतरा नहीं है। लगभग 83 सेंटीमीटर लंबा यह सांप ठंडे इलाकों के जंगलों में रहता है। इसका मुख्य भोजन छोटे जीव-जंतु हैं। इसकी नारंगी चमक इसे प्रकृति के बीच अलग पहचान देती है।



इसकी नारंगी चमक इसे प्रकृति के बीच अलग पहचान देती है।

दुनिया के कई देशों सहित भारत में भी पाया जाता है हरा मेंढक

हरा मेंढक दुनिया के कई हिस्सों में, मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और एशिया (भारत सहित) में पाया जाता है। ये आम तौर पर ताजे पानी के स्रोतों जैसे तालाबों, नदियों, झीलों और दलदली इलाकों के पास, और नम वर्षावनों में रहते हैं। हरा मेंढक (उपप्रजाति राणा क्लैमिटेन्स मेलानोटा), एक सामान्य जलीय मेंढक (कुल रानिडे) है जो उत्तरपूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में तालाबों, नदियों और अन्य मीठे



पानी के स्रोतों में पाया जाता है। हरा मेंढक 5 से 10 सेंटीमीटर (2 से 4 इंच) लंबा होता है और इसका रंग हरा से भूरा होता है। हरे मेंढक लगभग हर उस जीव जंतु को खा जाते हैं जिसे वे निगल सकते हैं।

जलने के बाद पुनःनिर्माण सर्जरी (रिकंस्ट्रक्शन)



कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कोस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के.सामने, चौबे कालोनी एवं पंचवटी नागा, धर्मनवी रोड, इंदरस भवन के पास, रायपुर
कॉल - 9827143060/8871003060
Ajay ACRYL

हरा मेंढक लगभग किसी भी उथले, स्थायी जल निकाय जैसे झरनों, दलदलों, नालों, तालाबों और झीलों में या उसके आसपास पाए जा सकते हैं। युवा हरे मेंढक गर्मियों में अस्थायी जल निकायों का उपयोग करते हैं।

रोबोटिक FUE हेयर ट्रांसप्लांट



Holi Special Offer
Rs. 35000/- 1500-2000 GRAFTS
Rs. 50000/- 2500-3500 GRAFTS
Rs. 75000/- 3500-5000 GRAFTS
डॉ. वीनस प्लास्टिक सर्जरी
जीवन मेमोरियल हॉस्पिटल
चौबे कालोनी, गली नं. 04, रायपुर (छ.ग.)
7400558800

बार्बी से लेकर जीआई जो तक, ये हैं नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे खिलौने



आप सोचते होंगे कि खिलौने केवल बच्चों के लिए बनते हैं। हालांकि, कुछ वयस्कों को उनमें इतनी दिलचस्पी होती है कि वे उन्हें संग्रहित करना पसंद करते हैं। इसके चलते वे लाखों ब्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। आज के लेख में हम आपको नीलामी में बिकने वाले अब तक के सबसे महंगे खिलौनों के बारे में बताएंगे। इन्हें बच्चों के बजाय वयस्कों के खरीदार हैं और ये सभी ऐतिहासिक हैं।
स्टेफानो कैट्टरी बार्बी: 2009 में बार्बी की 50वीं वर्षगांठ के लिए ऑस्ट्रेलिया में मेटल ने जेवर डिजाइनर स्टेफानो कैट्टरी के साथ हाथ मिलाया था। उन्होंने एक ऐतिहासिक बार्बी बनाई, जो दुनिया की सबसे महंगी है। स्टेफानो ने 4 हफ्तों तक बार्बी का शरीर, हेयर-स्टाइल, मेकअप, ड्रेस, जूते और सुंदर आभूषणों डिजाइन किए थे।

स्टार वॉर्स का रॉकेट फायरिंग बोबा फेट
स्टार वॉर्स से जुड़ी सभी चीजें करोड़ों में बिकती हैं तो इसके खिलौने कैसे पीछे रह सकते हैं। इस सूची में पहला स्थान रॉकेट फायरिंग बोबा फेट एक्शन फिगर का है। इसे 2024 में नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। यह 1979 में बनाया गया एक्शन फिगर है, जो नए जैसे हालत में है। यही कारण था कि इसे इतनी कीमत पर खरीदा गया और यह दुनिया का सबसे महंगा खिलौना बन गया।

दुनिया के कुछ सनकी राजा और उनकी अजीब आदतें, पागलों जैसे शौक रखते थे ये शासक



इतिहास में कई ऐसे राजा और शासक हुए हैं जिनकी आदतें इतनी विचित्र थीं कि वे आज भी लोगों को हैरान कर देती हैं। कुछ राजा सत्ता की ताकत दिखाते थे तो कुछ की आदतें व्यक्तिगत सनक से उपजी थीं। इनकी आदतें, शौक व सनक ऐसी थीं जिनको पूरा करना असंभव काम था। कुछ राजाओं व शासकों की सनक पागलों से कम नहीं थी। कुछ राजा व शासक तो अपने शौक व सनक के कारण दिवालिया तक हो गए।
रोमन साम्राज्य का सम्राट रुडोल्फ द्वितीय : रुडोल्फ को जादू-टोने और ज्योतिष का शौक था। वे अपने महल में विचित्र जानवरों का संग्रह रखते थे, जैसे कि रोए और चीते, और वैज्ञानिकों व कलाकारों को इकट्ठा करते थे। अपने शौक के प्रति रुडोल्फ द्वितीय की सनक ऐसी थी कि वह महीनों तक अपने कमरे से बाहर

रोमन सम्राट कैलियुला
12-41 ईस्वी तक रोम पर राज करने वाले शासक कैलियुला को अपने घोड़े से इंसिटाटस से इतना प्यार था कि उसने घोड़े को ही अधिकारी का पद दे दिया था। कैलियुला अपने घोड़े को बिस्तर पर सुलाते थे और उसके लिए मद्य दावतें आयोजित करते थे। यही नहीं कैलियुला खुद को देवता भी मानता था। फ्रेडरिक विलियम प्रथम 1688-1740 तक प्रशिया का राजा था। वह लंबे कद के सैनिकों का दीवाना था।

ओम हॉस्पिटल
प्लास्टिक एवं कोस्मेटिक विभाग
जलने के बाद की प्लास्टिक सर्जरी (Contractures)
दृष्टि में कठे अंग तंत्र और खून की नली को जोड़ना
कोस्मेटिक सर्जरी • स्तनों की सर्जरी (Implant)
मोटोरो का ईलाज (साइपोसक्लर)
कठे लोंड एवं तालु का ईलाज • संश्लेषण का स्क्वोरो इलाज
खेरे के कैमर का ईलाज (Maxillofacial Surgery)
मूँह के कैमर की प्लास्टिक सर्जरी
कान बनाना, नाक बनाना, (प्रतिक्रमि एवं नोए करत)
Hypospadias Vaginoplasty,
गुदा स्थानों की सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से भी में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महारथवाट रोड, रायपुर चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरस रोड, तिलवा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड, सरय्याली (छ.ग.), मो. 8370008558
प्रताप देव बाई नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जमदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
#Rajesh

आप कितने स्वस्थ हैं? जानिए
एक नियमित वेलेनेस चेकअप आपके आज को सुरक्षित और कल को मजबूत करता है
वेलेनेस गोल पैकेज ₹1500/-
(20 से 40 साल की उम्र के लिए)
वेलेनेस जर्नी पैकेज ₹2000/-
(40 से 60 साल की उम्र के लिए)
● प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार ● सीमित सीट
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें **9109956720**
सुयश हॉस्पिटल
कोटा-गुदियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
विश्व महिला दिवस
हर महिला की सेहत, हर परिवार की ताकत है।
● लक्षण समझिए ● जांच कराइए ● परामर्श लीजिए ● कैंसर हटाइए
स्वस्थ महिला, स्वस्थ समाज।
● HPV वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है।
● लड़कियों और महिलाओं के लिए HPV टीकाकरण महत्वपूर्ण है।
● स्तन और सर्वाइकल कैंसर की नियमित जांच जरूरी है।
● स्तन स्वयं-परीक्षण से बदलाव का जल्दी पता चलता है।
● स्वस्थ जीवनशैली से कैंसर का जोखिम कम होता है।
दावड़ा कॉलोनी, पंचपेड़ी नाका, रायपुर, छत्तीसगढ़, +91 7389905010, 04010

दिमाग फिट, तो स्कोर्स हिट
बैद्यनाथ शंखपुष्पी सिरप
उपयुक्तता
✓ एकाग्रता ✓ स्तर्कता
✓ आकलन शक्ति ✓ सीखने की क्षमता
ब्राह्मी युक्त
परिक्षा के दौरान तनाव कम करने के लिए ब्राह्मी का मूल्यांकन किया गया है।
सभी मेडिकल स्टोर्स एवं आयुर्वेदिक औषधालय में उपलब्ध।
अधिक जानकारी के लिए - टेल फ्री नं. 844 844 4935 | www.baidyanath.co

MARUTI SUZUKI ARENA
WHY CHOOSE DIESEL?
RUN ON THE SMARTER FUEL
VICTORIS S-CNG
WITH SEGMENT-FIRST UNDERBODY CNG TANK
PARAMETER VICTORIS S-CNG COMPETITION MID SUV DIESEL BENEFIT OF VICTORIS S-CNG OVER DIESEL CARS
Running Cost/km ₹4.9 ~ ₹6.1 More savings per km
Lower Maintenance Cost ✓ Easy on pocket
Reduced Emission ✓ Good for environment
Recovery Period* ~5.5 Yrs ~8.9 Yrs ✓ Faster recovery
LOYALTY REWARD OF UP TO ₹30 000 ON EXCHANGE OF MARUTI SUZUKI CARS**
SCAN AND CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
CONTACT US AT 1800-102-1800
Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used for illustration purposes only. Features may vary by model/conditions. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. *Considered average daily driving of 35 km. Fuel Cost calculation done basis fuel prices in Goa as of 11th Feb 2026 and considered 70% delivery of ARAI tested Mileage. **The loyalty reward scheme is subject to terms and conditions. For more details visit authorised dealership. The offer is valid only on Victoris. *As certified by Test Agency under Rule 115 (G) of Central Motor Vehicles Rules 1989.
VICTORIS